कार्यालय जिला सेवायोजन अधिकारी सीतापुर

पत्रांक स्थापना/लोकवाणी /बेबसाइट/2009/ दिनांक 01.7.09

सेवा में,

जिलाधिकारी
सीतापुर

महोदय,

कृपया आपके कार्यालय के पत्रांक :–169/लोकवाणी /वेबसाइट सूचना/जि0अ0/2009–10 दिनांक 24 जून 2009 के अनुपालन में वॉछित सी.डी तथा अन्य संलंग्नक इस पत्र के साथ संलग्नकर प्रेशित किये जा रहे है ।

कृपया पावती स्वीकार करने का कश्ट करे।

संलग्नकः–   सीडी मूल रूप में

भवदीय

स्टाफ पोजीषन
कार्यालय कार्यप्रणाली

(कमल किषोर)
जिला सेवायोजन अधिकारी
सीातपुर।

सेवायोजन कार्यालय – एक दृष्टि में

''सेवायोजन कार्यालय वह संस्था है जो न केवल सेवायोजको को उनकी आवष्यकता के अनुसार, रोजगार चाहने वाले अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराती है अपितु अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रषिक्षण एवं स्वरोजगार के लिए प्रेरित भी करती है।''

द्वितीय विष्व युद्ध के बाद सेवानिवृत्त सैनिको एवं कारीगरों की समस्या के हल के लिए 1945 में ''पुर्नवास एवं रोजगार महानिदेषालय'' की स्थापना की गयी थी। सेवायोजन कार्यालयों को और अधिक प्रभावषाली बनाने के सम्बन्ध में सुझाव देने के लिये नवम्बर 1952 में भारत सरकार द्वारा ''षिवाराय समिति'' का गठन किया गया। अप्रैल 1954 में समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसकी संस्तुतियों के आधार पर 1956 में सेवायोजन कार्यालयों का प्रषासन सीमित अधिकारों के साथ राज्य सरकारों को सौंप दिया गया। केन्द्रीय नियंत्रण एवं समन्वय ''सेवायोजन एवं प्रषिक्षण महानिदेषालय, नई दिल्ली'' द्वारा किया जाता है। सेवायोजन सेवा केन्द्र/राज्य का सम्मिलित अवस्थान है जिसमें केन्द्र तथा राज्य को अलग अलग अधिकार हैं।

सेवायोजन कार्यालय के उद्देष्य

1. बेरोजगारों एवं सेवायोजकों के बीच सम्पर्क स्थापित करना।
2. अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षा के लिए प्रषिक्षण सुविधायें प्रदान करना।
3. उपयोगी आंकड़ो का संकलन करना जिससे बेरोजगारों की वास्तविक स्थितियों का अनुमान लगाया जा सके ।
4. नवयुवकों का मार्गदर्षन करना।
5. भर्ती की अन्य पद्धतियों के दोषों को दूर करना तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करके सेवायोजकों को उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध कराना है।
6. अभ्यर्थियों को स्वतः नियोजन के लिए प्रोत्साहित, मार्गदर्षन कराना।

सेवायोजन कार्यालय के कार्य व क्षेत्र

प्रायः लोग सेवायोजन कार्यालय से अभिप्राय बेरोजगार अभ्यर्थियों को नौकरी पर लगाने से समझते हैं किन्तु वास्तव में वर्तमान की बदली हुई परिस्थितियों में इस कार्यालय का कार्यक्षेत्र कहीं अधिक विस्तृत एवं व्यापक हो गया है। जिसमें निम्न क्षेत्र सम्मिलित हैं–

1. रजिस्ट्रेषन, सम्प्रेषण, नियुक्ति–

बेरोजगार अभ्यर्थी सेवायोजन कार्यालय में अपना नाम, योग्यता, अनुभव, आयु आदि के विवरण के साथ अपने आपको पंजीकृत कराता है। इसी प्रकार कोई भी सेवायोजक अपनी आवष्यकता के अनुसार अभ्यर्थियों की मांग करता है। कार्यालय द्वारा उपयुक्त योग्यता वाले व्यक्तियों को वरिष्ठता के आधार पर चुनकर सेवायोजकों के पास विचार के लिए भेज दिया जाता है।

चयन का निर्णय सेवायोजकों द्वारा ही लिया जाता है। इस प्रकार सेवायोजन कार्यालय योग्य, उपयुक्त तथा कुशल व्यक्तियों की नियुक्ति कराने में सहायक होते हैं।

2. <u>रोजगार बाजार सूचना सम्बन्धी कार्य–</u>

1. त्रिमासिक सर्वेक्षण के अर्न्तगत सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र (10 से अधिक कार्यरत कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठान) के नियोजकों से कार्यरत कर्मचारी/अधिकारी की सूचना एकत्र की जाती है।
2. द्विवार्षिक सर्वेक्षण के अर्न्तगत सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र के नियोजकों से व्यवसाय एवं शैक्षिक योग्यता के अनुसार कार्यरत कर्मचारी/अधिकारी की सूचना एकत्र की जाती है।
3. सी.एन.वी. एक्ट 1959 के अर्न्तगत नियोजकों का निरीक्षण किया जाता है।
4. सेवायोजन कार्यालय में होने वाले विभिन्न कार्यों से सम्बन्धित मासिक, त्रैमासिक, छमाही व वार्षिक रिपोर्टों को तैयार कर निदेषालय, महानिदेषालय को भेजी जाती है।
5. सड़क सर्वेक्षण के माध्यम से नियोजक पंजिका का शुद्धिकरण एवं विस्तृतीकरण करना।

3. <u>व्यवसाय मार्गनिर्देषन सम्बन्धी कार्य–</u>

1. पंजीकृत अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत मार्ग निर्देषन देना।
2. केन्दीय रोजगार कार्यालय से निकली रिक्तियों से सम्बन्धित अभ्यर्थियों के आवेदन पत्रों को नियोजकों को प्रेषित करना।
3. स्कूल कालेजों में व्यवसायिक वार्ता देना।
4. निदेषालय/महानिदेषालय से प्रकाषित साहित्य का वितरण करना।
5. विभिन्न रिक्तियों से सम्बन्धित सूचनाओं, व्यवसायिक सूचनाओं, शैक्षिक सूचनाओं को व्यवसाय मार्गदर्षन कक्ष में अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराना।
6. व्यवसाय विषेष चयन के सम्बन्ध में मार्गदर्षन करना।

4. <u>स्वतः नियोजन सम्बन्धी कार्य–</u>

वर्तमान समय में सेवायोजन कार्यालयों द्वारा स्वतः नियोजन पर विषेष जोर दिया जा रहा है। यह आज की आवष्यकता और उपयोगिता दोनो है। सेवायोजन कार्यालयों द्वारा जिला उद्योग केन्द्र द्वारा स्वतः नियोजन के लिए चलाई जा रही योजनाओं बेरोजगार अभ्यर्थियों को उपलब्ध करायी जाती है। अन्य कार्यालयों जैसे जिला ग्रामोद्योग केन्द्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बेरोजगारों को मार्गनिर्देषन दिया जाता है।

5. षिक्षण मार्गनिर्देषन सम्बन्धी कार्य–

सेवायोजन कार्यालयों द्वारा अनुसूचित जाति/ जनजाति तथा पिछड़ी जाति के अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के उद्देष्य से गणित, टंकण, सामान्य ज्ञान, सचिवीय पद्धति, कम्प्यूटर आदि का प्रषिक्षण दिया जाता है। साथ ही में छात्रों को विभिन्न विभागों से निकलने वाली रिक्तियों की जानकारी दी जाती है।

(कमल किषोर)
जिला सेवायोजन अधिकारी
सीतपुर

जिला सेवायोजन कार्य्रलय सीतापुर

स्टाफ पोजीषन :– अधिकारी / कर्मचायिो की सूची

क0सं0	नाम	पद नाम
1	श्री कमल किषोर	जिला सेवायोजन अधिकारी
2	,, विजय सुधाकर सिंह	सहायक सेवायोजन अधिकारी
3	... पद रिक्त	सहायक सेवायोजन अधिकारी
4	,, सुनील कुमार सिंह	अन्वेशक कम संगणक
5	श्री मती गीता खरे	भाशा अनुदेषिका
6	,श्री,सूरज प्रकाष	सचिव पद्धति अनुदेषक
7	,,दिनेश कुमार	आषुलिपिअनदेषक
8	,, अभय कुमार श्रीवास्तव	वरिश्ठ सहायक
9	,,राम पाल पाण्डेय	वरिश्ठ सहायक
10	,,गया प्रसाद पाल	वरिश्ठ सहायक
11	,,षिव लाल	वरिश्ठ सहायक
12	,,अम्ब्रीष कुमार श्रीवास्तव	वरिश्ठ सहायक
13	,षब्बीर अहमद	उर्दू अनु.सह वरिश्ठ लिपिक
14	,,राजेश्वर दयाल	कनिश्ठ सहायक
15	,, प्रियांक मिश्रा	कनिश्ठ लिपिक
16	..उमेष कुमार वर्मा	कनिश्ठ लिपिक
17	..पवन कुमार राज	कनिश्ठ लिपिक
18	..खेम चन्द्र	कनिश्ठ लिपिक
19	,,हरी प्रसाद	चपरासी
20	,, प्रमोद कुमार मिश्रा	चपरासी
21	,, कुबेर प्रसाद	चपरासी
22	,,ज्ञानेन्द्र नाथ। पाण्डे	चपरासी
23	,, छोटे लाल	स्वीपर कम चौकीदार

(कमल किषोर)
जिला सेवायोजन अधिकारी
सीतपुर